सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 268 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 6 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-



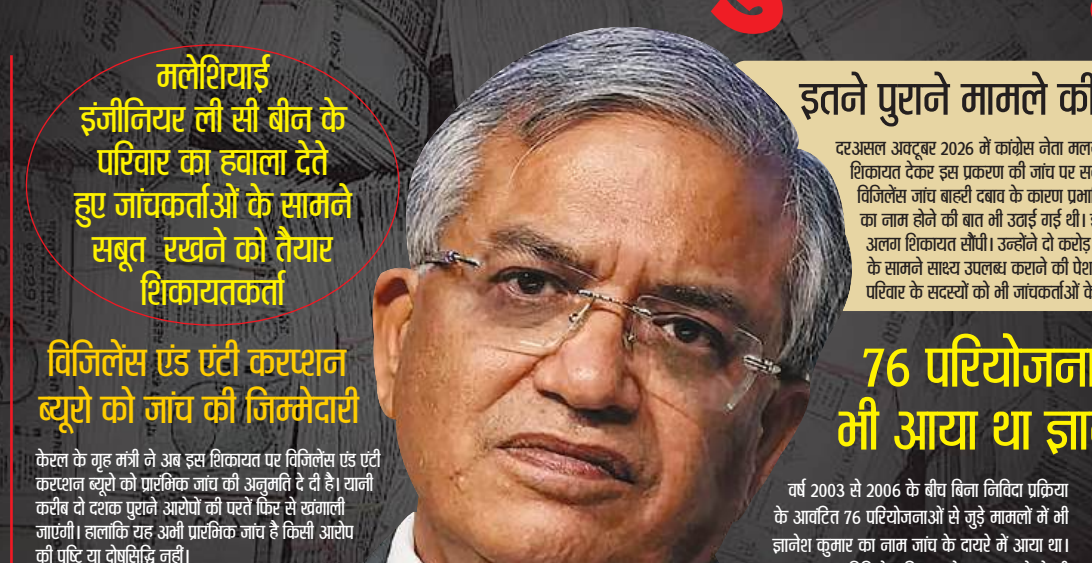


यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करें जो वो समझता है, तो बात उसके सर में जाती है, यदि आप उससे उसकी भाषा में बात करते हैं, तो बात उसके दिल तक जाती है।
-नेल्सन मंडेला

भारत-न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे... 7 | महायुति व महाविकास अघाड़ि में... 3 | भाजपा फर्जी वोट बढ़ाने की... 2

दो करोड़ की घूस!

चुनाव आयोग के मुखिया पर केरल से उठा भ्रष्टाचार का पुराना तूफान



» इससे पूर्व में भी कई बार हो चुकी इस प्रकरण की जांच मिल चुकी है क्लीन चिट

» इस बार मामला गंभीर एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं शिकायतकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 17 करोड़ के भुगतान पर अड़ंगा, दो करोड़ की मांग और फिर मलेशियाई इंजीनियर की रहस्यमयी मौत... करीब दो दशक पुरानी कहानी अब फिर जांच के घेरे में है। जिस मामले की फाइल कभी बंद हो चुकी थी। अब उस पर केरल सरकार ने दोबारा नजर डालने का फैसला किया है। सवाल सिर्फ एक पुराने आरोप का नहीं बल्कि उस रहस्य का भी जो एक अबूझ पहली बन चुका है। कहानी करीब बीस साल पुरानी है लेकिन इसके किरदार और सवाल आज भी उतने ही अहम हैं। केरल में लोक निर्माण विभाग के सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे ज्ञानेश कुमार उस समय एक सड़क परियोजना से जुड़े थे।

आज वही ज्ञानेश कुमार देश के मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। अब उनके पुराने कार्यकाल से जुड़ा रिश्वत मांगने का आरोप एक बार फिर सरकारी जांच के दरवाजे तक पहुंच गया है। मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट यानी केएसटीपी का है। विश्व बैंक की सहायता से चल रही इस परियोजना में भारत और मलेशिया की संयुक्त कंपनी पीएटीआईबेल को सड़क निर्माण का काम मिला था। आरोप है कि परियोजना के तहत काम पूरा होने के बावजूद कंपनी के करीब 17 करोड़ रुपये के भुगतान से जुड़े बिल और चेक अटके हुए थे। इसी बीच कहानी में प्रवेश होता है मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन का। वह इस परियोजना के मुख्य प्रबंधकों में शामिल थे। कंपनी के लिए काम करने वाले स्थानीय ठेकेदार साजन वी.ओ. का दावा है कि ली ने उन्हें बताया था कि भुगतान जारी कराने के बदले तत्कालीन पीडब्ल्यूडी सचिव ज्ञानेश कुमार ने दो करोड़ रुपये की मांग की थी। कंपनी रिश्वत देने को तैयार नहीं थी और भुगतान का संकट लगातार गहराता जा रहा था। साजन के मुताबिक बकाया भुगतान न मिलने से स्थानीय ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को पैसे देना मुश्किल हो गया था। परियोजना पर आर्थिक दबाव बढ़ता गया। उनका दावा है कि ली ने इस परेशानी के बारे में उनसे बातचीत की थी। बाद में ली की मलेशिया में आत्महत्या की खबर सामने आई। साजन का कहना है कि ली के परिवार ने कंपनी के कर्मचारियों को बताया था कि उनके पीछे छोड़े गए सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का भी उल्लेख था।

मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन के परिवार का हवाला देते हुए जांचकर्ताओं के सामने सबूत रखने को तैयार शिकायतकर्ता

इतने पुराने मामले की फाइल दोबारा क्यों हिली?

दरअसल अक्टूबर 2026 में कांग्रेस नेता मलयंकुझु वेणुगोपाल ने केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्नीथला को शिकायत देकर इस प्रकरण की जांच पर सवाल उठाए थे। शिकायत में दावा किया गया कि 2006 में हुई विजिलेंस जांच बाहरी दबाव के कारण प्रभावित हुई थी और इंजीनियर के सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने की बात भी उठाई गई थी। इसके बाद 23 अक्टूबर को ठेकेदार साजन ने भी गृह मंत्री को अलग शिकायत सौंपी। उन्होंने दो करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप दोहराया और जांच एजेंसी के सामने साक्ष्य उपलब्ध कराने की पेशकश की। उन्होंने यहां तक कहा कि जरूरत पड़ने पर ली के परिवार के सदस्यों को भी जांचकर्ताओं के सामने पेश कराया जा सकता है।

विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो को जांच की जिम्मेदारी

केरल के गृह मंत्री ने अब इस शिकायत पर विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो को प्रारंभिक जांच की अनुमति दे दी है। यानी करीब दो दशक पुराने आरोपों की परतें फिर से खंगाली जाएंगी। हालांकि यह अभी प्रारंभिक जांच है किसी आरोप की पुष्टि या दोषसिद्धि नहीं।

76 परियोजनाओं से जुड़े मामलों में भी आया था ज्ञानेश कुमार का नाम!

वर्ष 2003 से 2006 के बीच बिना निविदा प्रक्रिया के आवंटित 76 परियोजनाओं से जुड़े मामलों में भी ज्ञानेश कुमार का नाम जांच के दायरे में आया था। विजिलेंस विभाग ने इन मामलों में भी अनियमितताओं की पुष्टि नहीं होने की बात कही और कार्रवाई रोक दी। वर्ष 2012 में आठ मामलों को अदालत में तथ्यों की त्रुटि यानी मिस्टेक ऑफ फैक्ट के रूप में प्रस्तुत किया गया था जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था। अब नई शिकायत ने पुराने फैसलों और उस समय की जांच प्रक्रिया पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पहले की जांच में उनसे और कुछ महत्वपूर्ण लोगों से पूछताछ ही नहीं की गई थी। ऐसे में नई जांच में पुराने दस्तावेज भुगतान संबंधी रिकॉर्ड और गवाहों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

17 करोड़ के भुगतान में दो करोड़ की रिश्वत

2026 में कांग्रेस नेता मलयंकुझु वेणुगोपाल ने केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्नीथला को शिकायत देकर इस प्रकरण की जांच पर सवाल उठाए थे।

साजन ने खोली भुगतान अटकने की पूरी कहानी

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शिकायत करने वाले दूसरे व्यक्ति साजन वी.ओ. ने इस पुराने विवाद में कई अहम दावे किए हैं। साजन वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में मलेशियाई कंपनी पीएटीआई बेल को निर्माण सामग्री की आपूर्ति करते थे। उनका दावा है कि कोल्लम में उनके घर के पास ही कंपनी का परियोजना कार्यालय था और मलेशियाई इंजीनियर ली सी बीन के साथ उनके अच्छे संबंध थे। साजन के मुताबिक परियोजना से जुड़े बिलों का भुगतान समय पर नहीं हो रहा था। इसके चलते ली स्थानीय ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं को उनका पैसा नहीं दे पा रहे थे। इसी परेशानी के बीच ली ने उन्हें बताया था कि बिल पास कराने के लिए तत्कालीन लोक निर्माण विभाग के सचिव ज्ञानेश कुमार ने दो करोड़ रुपये मांगे हैं। साजन का कहना है कि कंपनी रिश्वत देने के लिए तैयार नहीं थी। साजन के अनुसार ली के परिवार ने पीएटीआई बेल के कर्मचारियों को बताया था कि ली ने अपने सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम लिखा था। 23 अक्टूबर को गृह मंत्री को दी गई शिकायत में साजन ने इन आरोपों को दोहराया। उन्होंने जांचकर्ताओं के सामने साक्ष्य प्रस्तुत करने की इच्छा जताते हुए कहा कि जरूरत पड़ने पर ली के परिवार के सदस्यों को भी सामने लाया जा सकता है।

भाजपा फर्जी वोट बढ़ाने की साजिश कर रही : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले-आधार से जोड़ी जाए पूरी मतदाता सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा पर वार जारी है। सपा ने भाजपा पर मतदाता सूची में फर्जी वोट बढ़वाने की साजिश का आरोप लगाया है। उन्होंने आधार कार्ड को बायोमेट्रिक व्यवस्था से जोड़ने की मांग की। अखिलेश ने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पर सतर्क रहने को कहा।

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एसआईआर के बाद अब फार्म-6 के जरिये भाजपा अपने मतदाताओं की संख्या बढ़ाने में जुटी है। उन्होंने मांग की कि आधार कार्ड को बायोमेट्रिक व्यवस्था के जरिए मतदाता सूची से जोड़ा जाए। आधार कार्ड धातु का बनाया जाए, ताकि उसका डुप्लीकेट न बन सके और चुनावी धांधली व वोट चोरी पर रोक लगाई जा सके।



महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर जवाब देने के बजाय जनता को भ्रमित कर रही बीजेपी

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार पर जवाब देने के बजाय वह जनता को भ्रमित कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा को सबक सिखाएगी। जनता लाठी बांटने वालों को नहीं, लैपटॉप बांटने वालों को चुनेगी। सपा की सरकार बनने पर किसानों को फसलों का उचित मूल्य, नौजवानों को रोजगार और सभी को सम्मान व न्याय मिलेगा।

भाजपा सत्ता के संरक्षण में प्रदेश भर में अराजकता फैला रही

सपा प्रदेश मुख्यालय स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश ने कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मतदाता सूची को लेकर सतर्क रहें। भाजपा फर्जी वोट बनवाने की कोशिश करेगी, जिसे हर हाल में रोकना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता के संरक्षण में प्रदेश भर में अराजकता फैला रही है। वह वोट चोरी, चंदा चोरी और चढ़ावा चोरी कर रही है। जनता का भरोसा भाजपा से उठ चुका है और 2027 में सपा की सरकार बनने जा रही है।

भाजपा के पदयात्रा के कारण यातायात व्यवस्था बिगड़ी

अखिलेश ने भाजपा की पदयात्राओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लखनऊ में पदयात्रा के कारण यातायात व्यवस्था बिगड़ी और आम लोगों के साथ मरीजों को भी परेशानी हुई। कानपुर में भी त्योहारी सीजन में पदयात्रा से जाम की समस्या बढ़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा को किसानों, नौजवानों और व्यापारियों की समस्याओं से कोई मतलब नहीं है।

कांग्रेस अपने कार्यों का मूल्यांकन करे : संजय

» खरगे के बयान पर आप का पलटवार

» बोले सांसद- कांग्रेस ही भाजपा की असली बी-टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पार्टी को भाजपा की बी-टीम बताए जाने वाले बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ही भाजपा की असली बी-टीम है, जिसने कई राज्यों में अपने विधायकों के दल-बदल के जरिये भाजपा की सरकारें बनवाईं। उन्होंने कांग्रेस को अपनी कमियों का मूल्यांकन करने की नसीहत भी दी।

संजय सिंह ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायकों ने भाजपा में शामिल होकर उसकी सरकार बनवाने में भूमिका निभाई। उन्होंने दावा किया कि 2016 में अरुणाचल प्रदेश में कांग्रेस के विधायक भाजपा में चले गए। इसी साल उत्तराखंड में नौ विधायक टूटे। 2017 में गोवा में 13,2019 में कर्नाटक में 13 और वर्ष 2020 में मध्य प्रदेश में 22 कांग्रेस विधायक भाजपा में शामिल हुए। वर्ष 2022 में भी गोवा में आठ विधायक भाजपा में चले गए। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार, गुजरात समेत कई राज्यों में कांग्रेस दशकों से चुनाव हार रही है। गुजरात में 31 साल, उत्तर प्रदेश में 37 साल और बिहार में 36 साल से पार्टी सत्ता से बाहर है। उस समय आम आदमी पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था। ऐसे में कांग्रेस को अपनी हार के लिए दूसरों पर आरोप लगाने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए।

अखिलेश कायर हैं बीजेपी से समझौता कर लिया : शादाब

» सपा चीफ के चुनाव न लड़ने पर भड़की एआईएमआईएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 में न लड़ने के ऐलान के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। एआईएमआईएम ने इसे कायरता कहा है और बीजेपी से समझौता करने का आरोप लगाया है। प्रवक्ता शादाब चौहान ने अखिलेश यादव को निशाना बनाते हुए अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है।

जिसमें उन्होंने लिखा, जब सेनापति ही युद्ध का मैदान छोड़कर भागने लगे तो स्पष्ट संकेत है कि वह या तो सामने वाले से समझौता कर चुका या कायरता का प्रमाण देकर आत्मसमर्पण। बताओ



अखिलेश यादव आपने बीजेपी से समझौता किया है या आप कायर हैं इसीलिए चुनाव से भाग रहे हो? दरअसल वाराणसी दौरे पर अखिलेश यादव ने पत्रकारों के सवाल पर कहा था, हम मुख्यमंत्री तब बनते हैं जब चुनाव नहीं लड़ते हैं। उन्होंने कहा कि 2012 में भी वा बिना विधानसभा चुनाव लड़े सीधे मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने आगे कि वह इस बार भी वही करेंगे जो उनके लिए शुभ होगा। इस बयान के बाद बीजेपी समेत कई विरोधियों के निशाने पर आ गए हैं। इससे पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी अखिलेश यादव पर चुनाव न लड़ने पर तंज कसा और उन्हें रणछोड़ अखिलेश कहा। पंकज चौधरी ने इसको लेकर अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट भी किया, रणछोड़ अखिलेश, पहले चुनौती दी, अब भाग खड़े हुए। अब क्या सीधे लोक सभा से मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे? यह बिल्कुल वैसी ही बात है, जैसे बिना चुनाव के रिज़ीम चेंज। यही सपाइयों की सच्चाई है। जब सत्ता में थे, तब नोएडा जाने से डरते थे। अब चुनाव लड़ने से डर रहे हैं। हालांकि अभी इस मुद्दे पर अखिलेश यादव या सपा की ओर से कोई प्रतिक्रया नहीं आई है, लेकिन इस मुद्दे पर विरोधी नेता सपा प्रमुख पर हमलावर जरुर हो गए हैं।

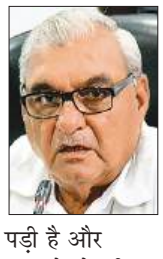
बिना शर्त पक्के किए जाएं अग्निवीर : भूपेंद्र सिंह

» पूर्व मुख्यमंत्री बोले- दो साल का सेवा विस्तार नाकाफी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रोहतक (हरियाणा)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि अग्निवीरों को बिना शर्त के पक्का किया जाए। दो साल का सेवा विस्तार नाकाफी है। सिर्फ दो साल का सेवा विस्तार देना अग्निवीरों के सम्मान के साथ खिलवाड़ है।

वे वीरवार शाम को डी पार्क आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस पहले दिन से ही अग्निवीर योजना का विरोध कर रही थी। यह योजना न तो देश के हित में है और न ही सेना के हित में। यहां तक कि सेना के कई पूर्व अधिकारी भी इसके खिलाफ खुलकर बोल रहे थे। विज्ञापन अब आखिरकार सरकार को भी यह बात माननी पड़ी है और योजना में कुछ नए प्रावधान जोड़ने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि जो युवा छह साल तक सेना में सेवा दे रहा है, उसके लिए और अतिरिक्त मानदंड क्या रह जाते हैं?



बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी



इतना समय बीत गया नहीं मिला बाढ़ पैकेज : तेजस्वी

» पीएम के बिहार दौरे पर राजद का भाजपा पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने 6 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार दौरे से पहले उनकी आलोचना की। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्य को पर्याप्त मदद न देने का आरोप लगाया और अपराध, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा से जुड़े मुद्दों को उठाया। यादव ने कहा कि भले ही बिहार की जनता ने मोदी को भारी जनादेश दिया, लेकिन जब भी राज्य को मदद की जरूरत पड़ी, तो उसके साथ सौतेले बच्चों जैसा बर्ताव किया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार आ रहे हैं, लेकिन वे एक प्रधानमंत्री से अपेक्षित जिम्मेदारियों को पूरा करने में पूरी तरह विफल रहे हैं। बिहार की जनता ने उन्हें भारी जनादेश दिया, लेकिन जब भी बिहार को जरूरत होती है, तो हमारे साथ



सौतेले बच्चों जैसा व्यवहार किया जाता है। हमें बाढ़ के लिए कोई विशेष पैकेज नहीं मिला; बिहार सरकार का खजाना खाली है। डबल-इंजन सरकार का एक इंजन भ्रष्टाचार से चल रहा है, तो दूसरा अपराध से बिहार में अराजकता का माहौल है। अब जब वे आ रहे हैं, तो निश्चित रूप से केवल खोखले वादे ही करेंगे। राज्य सरकार के विकास कार्यों पर सवाल उठाते हुए, यादव ने नीति आयोग की रिपोर्टों का हवाला दिया और कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में बिहार लगातार सबसे निचले पायदान पर बना हुआ है। उन्होंने कहा, वे (सत्ता पक्ष) हमेशा वही रटी-रटाई बातें दोहराते रहते हैं। नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बने कितना समय हो गया है? यहाँ उनकी सरकार लगातार सत्ता में रही है। नीति आयोग की रिपोर्टें बताती हैं कि शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य सेवा तक, हम हर क्षेत्र में सबसे नीचे हैं। आज भी हालात बिल्कुल वैसे ही हैं; इसमें कोई सुधार नहीं हुआ है। यादव ने कानून-व्यवस्था की स्थिति और अपराध पर सरकार के रवैये को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की भी आलोचना की। उन्होंने सवाल किया कि क्या यहाँ कोई ऐसा जिला है जहाँ अपराध न होता हो? फिर भी, हमारे मुख्यमंत्री को शायद लगता है कि अपराध और क्राइम अलग-अलग चीजें हैं। एक अंग्रेजी शब्द है और दूसरा हिंदी, लेकिन दोनों का मतलब बिल्कुल एक ही है। वे बिहार का मजाक बनवा रहे हैं। ऐसे मुख्यमंत्री से क्या उम्मीद की जा सकती है? बिहार का क्या होगा?

महाराष्ट्र में फिर सियासी तनाव

महायुति व महाविकास अघाड़ि में खिचाव

- शिवसेना यूबीटी ने भाजपा पर किया हमला
- एनसीपी में बगावत के सुर, पार्थ से कई वरिष्ठ नेता नाराज
- अमित शाह से मुलाकात के बाद सुनेत्रा के घर बैठकों का दौर
- प्रियंका गांधी से मिले शिवराज पाटिल के बेटे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



मुंबई। महाराष्ट्र में नेताओं के मिलने मिलाने का दौर जारी है। कभी कांग्रेस में प्रियंका गांधी से शिवराज पाटिल के पुत्र के मिलने से सियासी हलचल मची थी। अबकि बार अमित शाह से मुलाकात के बाद सुनेत्रा के घर बैठकों का दौर एनसीपी अजित पवार गुट में बगावत की चर्चा तेज हो गई है। उधर एनसीपी में बगावत के सुर उभर रहे हैं। ऐसा भी चर्चा है पार्थ से कई वरिष्ठ नेता नाराज हैं। पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने अमित शाह से मुलाकात की।

जिसके बाद यह चर्चा और अधिक बढ़ी। अब डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार डैमेज कंट्रोल में जुटीं हैं, उनके देवगिरी बंगले पर विधायकों-मंत्रियों के साथ लगातार तीसरी बैठक हो रही है। विमान हादसे में अजित पवार के निधन के बाद पार्टी में उनके बेटे पार्थ पवार की बढ़ते वर्चस्व से कई वरिष्ठ नेता असहज बताए जा रहे हैं। साथ ही एनसीपी (अजित पवार गुट) के विधायकों और मंत्रियों ने अपने सहयोगी दलों बीजेपी और शिवसेना के खिलाफ भी खुलकर नाराजगी जताई है। एनसीपी विधायकों का आरोप है कि सहयोगी दलों के मंत्री केवल अपने ही विधायकों के कामों को प्राथमिकता दे रहे हैं और एनसीपी विधायकों की अनदेखी की जा रही है।

बीजेपी के कैबिनेट मंत्री से मिलीं सुनेत्रा



सुनेत्रा पवार की अध्यक्षता में होने वाली आज सुबह की फिर से बुलाई गई बैठक में पार्टी के भीतर समन्वय, वित्त मंत्रालय वापस पाने की मांग और आगामी राजनीतिक रणनीति पर अहम फैसले लिए जाने की खबरे हैं। इस बीच, महाराष्ट्र के बीजेपी कैबिनेट मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल ने देवगिरी आवास पर सुनेत्रा पवार से मुलाकात भी की है, जिसके अलग सियासी मायने निकाले जा रहे हैं।

सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में कोर कमेटी की बैठक



इन तमाम राजनीतिक घटनाक्रमों और आंतरिक मतभेदों को सुलझाने के लिए मुंबई में पिछले कुछ दिनों से बैठकों का दौर लगातार जारी है। सोमवार शाम को मुंबई के देवगिरी आवास पर सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में कोर कमेटी की बैठक हुई, जिसमें कामकाज और सहयोगी दलों के रवैये का मुद्दा जोर-शोर से उठा। कल उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार की मौजूदगी में हुई बैठक में भी यह मुद्दा जोर-शोर से उठा। इस आंतरिक असंतोष और युवा बनाम वरिष्ठ नेताओं के बीच चल रहे हालिया मतभेदों को सुलझाने के लिए सुबह 9 बजे NCP कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। सुनेत्रा पवार की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में पार्टी के भीतर समन्वय और आगामी राजनीतिक रणनीति पर अहम फैसले लिए जाने की उम्मीद है। सुनेत्रा पवार ने पार्टी के असंतुष्ट वरिष्ठ नेताओं और कोर कमेटी की बैठक बुलाई थी, जिसमें दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात कर लौटे नेताओं के साथ चर्चा हुई। मंगलवार 3 नवंबर शाम 7 बजे सुनेत्रा पवार ने अपने देवगिरी आवास पर पार्टी के सभी विधायकों और मंत्रियों की एक बड़ी बैठक बुलाई थी, जिसमें करीब 50 विधायक शामिल हुए। तीसरी बैठक 4 नवंबर आज बुधवार सुबह फिर से देवगिरी बंगले पर पार्टी की कोर कमेटी की बैठक का सिलसिला जारी रहा, जिसमें पार्टी संगठन और वरिष्ठ नेताओं और पार्थ पवार के बीच समन्वय को लेकर खास चर्चा की जाने की बात सामने आई है।

छगन भुजबल के घर हुई अलग बैठक

वरिष्ठ नेताओं ने छगन भुजबल के आवास पर भी एक अलग बैठक की, जिसमें सुनेत्रा और पार्थ पवार मौजूद नहीं थे। पार्टी के भीतर चल रहे इसी भारी असंतोष और युवा बनाम वरिष्ठ नेताओं के मतभेदों को सुलझाने के लिए आज सुबह 9 बजे एनसीपी कोर कमेटी की फिर से एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई है।

पार्थ पवार के बढ़ते दखल से वरिष्ठ नेता असहज

बताया जा रहा है कि छगन भुजबल, प्रफुल्ल पटेल सहित कई वरिष्ठ नेता पार्टी में पार्थ पवार के बढ़ते वर्चस्व, कामकाज के तरीके और नेतृत्व से खासे नाराज हैं। हालांकि, एनसीपी प्रवक्ता उमेश पाटिल ने पार्टी में किसी भी तरह की दरार से इनकार करते हुए सफाई दी है कि अमित शाह से यह मुलाकात पहले से तय थी और सुनेत्रा पवार की जानकारी में थी।

शाह से मिले थे एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता



बड़ी हलचल अमित शाह से हुई एनसीपी के वरिष्ठ नेताओं की मुलाक़ात के बाद सामने आई। प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, सुनील तटकरे और दिलीप वलसे-पाटील जैसे वरिष्ठ नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से खास मुलाकात की। इस अहम बैठक से पार्टी प्रमुख और उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और उनके बेटे पार्थ पवार नदारद रहे।

शिवसेना यूबीटी का भाजपा पर प्रहार जारी



शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर बड़ा हमला बोला है। संजय राउत का कहना है कि सरकार गोकुल को गुजरात के हाथों में सौंपने की कोशिश कर रही है। सरकार के लोग ही सड़कों पर मोर्चा निकाल रहे हैं, जबकि महाराष्ट्र की लोकतांत्रिक व्यवस्था सत्ताधारियों की वजह से संकट में है। संजय राउत का कहना है कि गोकुल की 25 में से 13 सीटों पर सतेज पाटील के समर्थित समविचारी पैनल ने जीत हासिल की है। ऐसे में उसी पैनल का अध्यक्ष बनना जरूरी है। देवेंद्र फडणवीस और चंद्रकांत पाटील बहुमत का सम्मान नहीं कर रहे हैं और समविचारी पैनल को अध्यक्ष बनने से रोक रहे हैं। शिवसेना यूबीटी सांसद राउत का आरोप है कि एक्सपर्ट पैनल को बीच में लाकर गोकुल पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की कोशिश की जा रही है। गोकुल को अमूल को बेचने की साजिश को किसानों ने नाकाम कर दिया है। देवेंद्र फडणवीस से सवाल करते हुए संजय राउत ने कहा कि गोकुल को बचाने के लिए आप मोर्चा निकालिए। मुख्यमंत्री लोकतंत्र के नाम पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अपमान कर रहे हैं। एक तरफ सरकार के लोग लोकतंत्र के नाम पर मोर्चे निकाल रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ गोकुल को गुजरात के हाथों में सौंपने की कोशिश हो रही है। इतना ही नहीं, संजय राउत ने सीएम फडणवीस को सलाह देने के लहजे में कहा,पीएम मोदी, अमित शाह और फडणवीस के बीच क्या राजनीतिक समीकरण हैं, यह देखने के बजाय फडणवीस को गोकुल के मुद्दे पर ध्यान देना चाहिए। कोल्हापुर में एक कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सतेज पाटिल समर्थित पैनल द्वारा गोकुल डेयरी चुनाव जीतने के बाद, महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति के नेताओं ने मंगलवार को डेयरी में जारी गतिरोध को लेकर उनकी आलोचना की। 19 अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित होने के बावजूद, डेयरी के अध्यक्ष का चुनाव अभी बाकी है। पाटिल के पैनल को 13 सीटें मिलें, जबकि महायुति समर्थित छत्रपति शाहू शेतकरी विकास अघाड़ी ने 12 सीटें जीतें। डेयरी के उपनियमों के अनुसार, अध्यक्ष के चुनाव के लिए 14 निदेशकों की न्यूनतम गणपूर्ति (कोरम) आवश्यक है। राकांपा, भाजपा, शिवसेना और जनसुराज्य पार्टी के नेताओं ने पाटिल को लिखे एक पत्र में कहा कि उन्हें अपनी संकीर्ण जीत को राजनीतिक प्रभुत्व नहीं मानना चाहिए। महायुति नेताओं ने कहा कि उनके 12 निदेशक मतदाताओं द्वारा चुने गए हैं और वे प्रतिद्वंद्वी पैनल की गणपूर्ति पूरी करने के लिए बैठक में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने पाटिल पर गोकुल की शासन संरचना बदलने का आरोप लगाया। महायुति ने कहा कि वे कानूनी उपायों का सहारा लेंगे और लोकतांत्रिक चर्चा से मतभेद सुलझाने का आह्वान किया।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

छात्र की पढ़ाई का लाभ समाज व राज्य को मिले

शिक्षा क्षेत्र की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की रिपोर्ट्स में एक बात समान है कि प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक शैक्षिक संस्थाओं में नामांकन अनुपात बढ़ा है। इस दिशा में कुछ उत्साहजनक आंकड़े सामने आए हैं। यूनेस्को की जीइएम रिपोर्ट 2026 के अनुसार वर्ष 2000-2024 के बीच दुनिया में स्कूली शिक्षा में बच्चों की भागीदारी काफी बढ़ी है। लगभग 327 मिलियन अतिरिक्त बच्चे प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा में आए। बच्चों को उनके समुदाय में कुछ ऐसी वापसी की जरूरत है कि उन्हें समुदाय में खुशी मिले और उनके परिवार, समाज और राज्य को उनकी पढ़ाई का लाभ मिले। समग्र शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रमों की सफलता उत्साहजनक है। हालांकि नामांकन दर में सुधार की अभी बहुत गुंजाइश है। इन आंकड़ों में एक तरफ उत्साह तो है, लेकिन दूसरी तरफ एक बड़ी चिंता भी छिपी हुई है। उत्साह इस बात का है कि बच्चे समुदाय से निकलकर विद्यालय की तरफ जाने लगे हैं। साथ ही एक गहरी चिंता यह है कि पढ़ने के नाम पर समुदाय से निकले बच्चे दुबारा समुदाय में वापस क्यों नहीं आते हैं अर्थात जो बच्चे समुदाय को समझने के लिए विद्यालय ले जाए गए वे कभी लौट के अपने समुदाय से नहीं जुड़ पाए।

शैक्षिक संस्थाओं का नामांकन अनुपात बढ़ाते हुए बच्चे शिक्षा पूरी करने के बाद पलायन अनुपात को भी बढ़ा रहे हैं। बाहरी प्रवासन और ब्रेन ड्रेन के बढ़ते आंकड़े समुदाय को कुशल युवाओं से खाली करते जा रहे हैं। ऐसे में सामुदायिक लोक संस्कृति न केवल संकट में है, बल्कि विकास की मुख्य धारा और समुदाय के बीच एक बड़ा फासला बनता जा रहा है। शैक्षिक प्रावधानों की बात की जाए तो समुदाय के प्रति जिम्मेदारी और जवाबदेही को पाठ्यचर्या के मुख्य उद्देश्यों में शामिल किया गया है। इक्कीसवीं सदी में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय आयोग के रिपोर्ट लर्निंग द ट्रेजर विद इन के अनुसार शिक्षा के प्रमुख चार सिद्धांतों में दो महत्वपूर्ण सिद्धांत है होने के लिए सीखना और साथ रहने के लिए सीखना- इन दोनों सिद्धांतों का मुख्य थीम यह है कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता एवं उसके सम्पूर्ण विकास और सामाजिक/ सामुदायिक हितों के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारियों को समझने पर जोर देना, दूसरों के दृष्टिकोण को समझना, समाज को समझना, समाज के रीति रिवाज, नियम कायदों को समझना- नई शिक्षा नीति 2020 भी संवैधानिक और मानवीय मूल्यों के विकास की पैरोकारी करती है।स्पष्ट है सामुदायिक हितों के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी को संवैधानिक और मानवीय मूल्यों के अनुरूप सहेजने और समझाने का कार्य शैक्षिक नियामक संस्थाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होनी चाहिए।

समग्र शिक्षा अभियान और राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रमों की सफलता उत्साहजनक है। हालांकि नामांकन दर में सुधार की अभी बहुत गुंजाइश है। इन आंकड़ों में एक तरफ उत्साह तो है, लेकिन दूसरी तरफ एक बड़ी चिंता भी छिपी हुई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत अमीर हो रहा है, भारतीय कब अमीर होंगे?

धर्मेन्द्र सिंह



भारत तरक्की कर रहा है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ रहा है। विकास दर के आँकड़े उत्साह पैदा कर रहे हैं। शेयर बाजार की ऊँचाइयाँ आर्थिक सफलता की कहानी सुना रही हैं। महानगरों में गगनचुंबी इमारतें खड़ी हो रही हैं और सत्ता के गलियारों से आर्थिक महाशक्ति बनने का उद्घोष सुनाई दे रहा है। निस्संदेह, भारत बदल रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सवाल बड़ी बेचैनी से खड़ा है- आखिर इस विकास में आम भारतीय कहाँ है ? जिस देश की अर्थव्यवस्था लगातार बड़ी हो रही हो, वहाँ सामान्य नागरिक अपनी बुनियादी आवश्यकताओं के लिए संघर्ष क्यों कर रहा है ? जिस राष्ट्र की समृद्धि के किस्से दुनिया को सुनाए जा रहे हों, उसका किसान अपनी उपज का लाभकारी मूल्य पाने के लिए क्यों जूझ रहा है ?

शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में वर्षों क्यों भटक रहा है ? क्या विकास का अर्थ केवल देश का अमीर होना है, या देशवासियों का समृद्ध होना भी ? आँकड़ों की अमीरी, जिंदगी की गरीबी : सकल घरेलू उत्पाद किसी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का महत्वपूर्ण संकेतक है, लेकिन नागरिकों की वास्तविक समृद्धि का अंतिम प्रमाण नहीं। राष्ट्रीय आय का बढ़ना और उसका व्यापक समाज तक पहुँचना दो अलग-अलग वास्तविकताएँ हैं। यदि कुछ लोगों की संपत्ति असाधारण गति से बढ़ रही हो, जबकि करोड़ों परिवार अपनी आय और खर्च के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हों, तो आर्थिक प्रगति की सामाजिक सार्थकता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। यह संपन्नता का विरोध नहीं, बल्कि समृद्धि के अवसरों के असमान वितरण पर सवाल है। उद्योगपतियों का सफल होना, निवेश बढ़ना और पूँजी का निर्माण होना अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है। लेकिन यदि विकास की इस यात्रा में सामान्य नागरिक की आर्थिक स्थिति अपेक्षित गति से नहीं सुधरती, तो यह पूछना जरूरी है कि विकास की धारा किन रास्तों से बह रही है और किन बस्तियों तक पहुँचने से पहले ही ठहर जाती है।

रोजगार माँगता युवा, उपलब्धियाँ गिनाती सत्ता : भारत अपनी युवा आबादी को जनसांख्यिकीय लाभांश कहकर गर्व करता है। लेकिन यह लाभांश तभी सार्थक होगा, जब युवाओं के हाथों को काम और उनकी प्रतिभा को अवसर मिलेंगे। विश्वविद्यालयों से डिग्रियाँ लेकर निकलने वाले लाखों युवाओं की आँखों



में सपने होते हैं। वे वर्षों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, रोजगार तलाशते हैं और अनेक बार अपनी योग्यता से कम पारिश्रमिक पर काम करने को विवश होते हैं। विडंबना यह है कि जिस उम्र में युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए, उसका बड़ा हिस्सा रोजगार की अनिश्चित प्रतीक्षा में बीत जाता है। सवाल केवल सरकारी नौकरियों का नहीं, बल्कि ऐसी अर्थव्यवस्था बनाने का है, जो पर्याप्त सम्मानजनक और उत्पादक रोजगार पैदा कर सके। भूखे पेट को भविष्य की समृद्धि के भाषण से संतुष्ट नहीं किया जा सकता और बेरोजगार हाथों को विकास के ग्राफ दिखाकर आत्मनिर्भर नहीं बनाया जा सकता। अन्नदाता और छोटे उद्यमियों की अधूरी कहानी : किसान को अन्नदाता कहने में हमारा समाज कभी संकोच नहीं करता, लेकिन उसके आर्थिक संघर्षों पर अपेक्षित गंभीरता कम ही दिखाई देती है। किसान उत्पादन का जोखिम उठाता है। मौसम की मार सहता है, बढ़ती लागत का बोझ उठाता है और महीनों की मेहनत के बाद अपनी उपज बाजार तक पहुँचाता है। लेकिन बाजार मूल्य पर उसका नियंत्रण सीमित रहता है। प्राकृतिक आपदा हो तो नुकसान किसान का, उत्पादन अधिक हो जाए तो कीमत गिरने का जोखिम किसान का और लागत बढ़ जाए तो अतिरिक्त बोझ भी किसान का। ऐसी परिस्थितियों में कृषि को लाभकारी व्यवसाय कैसे बनाया जाएगा? यही स्थिति छोटे व्यापारियों और सूक्ष्म उद्यमियों की भी है। कार्यशील पूँजी, ऋण की लागत, बाजार प्रतिस्पर्धा और भुगतान में देरी जैसी चुनौतियाँ उनके अस्तित्व से जुड़ी हैं। बड़े निवेश की घोषणाएँ सुर्खियाँ बनती हैं, लेकिन छोटे उद्यमी का संघर्ष अक्सर व्यक्तिगत समस्या मानकर छोड़ दिया जाता है।

जबकि अर्थव्यवस्था की वास्तविक मजबूती केवल बड़े औद्योगिक समूहों से नहीं, लाखों छोटे आर्थिक प्रयासों की सामूहिक सफलता से भी निर्धारित होती है। आर्थिक असमानता से अवसरों की असमानता तक : आर्थिक असमानता का सबसे चिंताजनक पहलू केवल धन का असमान वितरण नहीं, बल्कि अवसरों का असमान वितरण है। संपन्न परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएँ और आधुनिक संसाधन उपलब्ध करा सकता है।

रिश्तों की बढ़ती टीस और दोस्ती की फीस

क्षमा शर्मा



अंग्रेजी की कहावत है—'ए फ्रेंड इन नीड इज ए फ्रेंड इनडीड।' यानी कि जो दोस्त जरूरत के समय काम आए, वही असली दोस्त होता है। आप लोगों ने दशकों पहले आई फिल्म शोले भी देखी होगी, जिसमें एक गाना था—'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे।' इसे अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र पर फिल्माया गया था। ऐसी दोस्तियां होते भी देखी हैं, जो बचपन से लेकर जीवन के आखिरी पड़ाव तक बनी रहती हैं। स्त्रियों में भी यह सहेलीपन, बहनापा या भायलीपन खूब चलता रहा है। सावन के महीने में जब लड़कियां अपने ससुराल से मायके आती थीं, तो सबसे पहले वे अपनी बचपन की सहेली को ही खोजती थीं। इन दोस्तियों के कारण परिवार भी आपस में मित्र बन जाते थे। लेकिन इन दिनों फ्रेंडशिप या दोस्ती की परिभाषा कुछ बदली हुई है। इसे फेसबुक से आसानी से समझा जा सकता है। इसमें पांच हजार दोस्तों की सीमा है।

यानी कि पांच हजार के बाद फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट स्वीकार नहीं की जा सकती। किसी के पांच हजार मित्र हों, तो उसकी ताकत के कहने ही क्या! क्योंकि कहा जाता है कि दोस्तों से दुनिया चलती है। लेकिन यह भी तो है कि हो सकता है कि इन पांच हजार में से किसी एक को भी आप निजी तौर पर न जानते हों। फिर मनुष्य के मनुष्य से मिलने पर जो भाईचारा उत्पन्न होता है, आत्मीयता बढ़ती है, इन बातों की जगह इन दोस्तों में कहां? आपके सुख-दु:ख में भी इनका शायद ही कोई सहारा हो। सिवाय ऑनलाइन लिखने के—'ओह, बहुत अफसोस है', 'रेस्ट इन पीस' या 'बहुत-बहुत बधाई। शुभकामनाएं।' तकनीक की दुनिया में बनाए गए दोस्त ऐसे ही हो सकते हैं। फिर आजकल ऐसा भी तो है कि जिससे बरसों से दोस्ती है, किसी मामूली बात पर झगड़ा हुआ, तो दोस्ती टूट गई। यहां तक कि जान भी चली गई। कभी किसी लड़की से संबंध को लेकर, कभी खान-पान की किसी चीज को लेकर, तो कभी पैसे के लेन-देन को लेकर। पिछले दिनों चिकन के एक पीस को लेकर दो दोस्तों के बीच विवाद इतना बढ़ा कि एक ने दूसरे की हत्या कर दी। इसी तरह एक बीड़ी को लेकर और पांच सौ रुपये के लेन-देन को लेकर भी दोस्तों ने अपने ही दोस्तों को मार डाला। यही नहीं, कई बार तो ऐसा भी हुआ है कि कोई व्यक्ति अपने दोस्त को बताकर गया कि वह इतने दिनों के लिए बाहर जा रहा है और उसके माता-पिता घर में अकेले होंगे, इसलिए उनका ध्यान रखे।

इसका फ़ायदा उठाकर दोस्त उसके घर पहुंच गए। माता-पिता को शक भी नहीं हुआ। फिर दोस्तों ने ही घर में लूटपाट कर ली, बुजुर्गों को घायल कर दिया या उनकी जान ही ले ली। लड़कियों के मामलों में भी ऐसी बातें दिखाई देती हैं। कई बार दो लड़कियों की एक ही लड़के से मित्रता होती है। दोनों आपस में सहेलियां भी होती हैं। फिर लड़के पर किसका आधिपत्य हो, इसे लेकर एक लड़की ही सुपारी देकर दूसरी लड़की की हत्या करा देती है। दो लड़कियां घूमने जाती हैं और एक सहेली अपनी सहेली को ही खाई में धक्का दे देती है।

यह समझना भी मुश्किल है कि आखिर आपसी विश्वास का इतना लोप कैसे हो गया है। लोग इतने नाराज़ भी क्यों हैं कि ज़रा-ज़रा सी बात पर एक-दूसरे की जान ले रहे हैं? नए वक्त को देखते हुए अब दोस्ती करवाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म भी सक्रिय हो गए हैं। यहां से आप पूरे दिन या कुछ घंटों के लिए दोस्त बुक कर सकते हैं। घंटे के हिसाब से भुगतान करना होता है। भुगतान की रकम कहीं तीन सौ, तो कहीं पांच सौ रुपये प्रति घंटा भी हो सकती है। जो लोग ऐसे दोस्तों को बुक करते हैं, उन्हें पहले ही बता दिया जाता है कि इस दोस्ती में भावुकता से भरे रिश्तों की कोई जगह नहीं है। कई युवा कहते हैं कि अब उनके पुराने दोस्तों के पास समय नहीं है। यहां तक कि फोन पर बात भी नहीं हो पाती। इसलिए वे ऑनलाइन दोस्त बुक करते हैं। कई कहते हैं कि वे अपने घर-परिवार से दूर नौकरी करते हैं। किसी सहयोगी के पास इतना समय नहीं होता कि वह उनके साथ समय बिता सके। इसलिए किराए पर दोस्त लेने का विचार उन्हें ज़्यादा अच्छा लगता है। ये दोस्त आपके साथ घूम-फिर सकते हैं, खाना खा सकते हैं और कॉफी पी सकते हैं। भारत में इस तरह की किराए की दोस्तियां बढ़ती ही जा रही हैं। कई युवा नौकरी करते हैं, लेकिन अतिरिक्त कमाई के लिए छुट्टी के दिन किराए के दोस्त बनकर जाते हैं। इस तरह उनका समय भी कट जाता है और अतिरिक्त कमाई भी हो जाती है। कई युवा इस तरह तनख्वाह के अलावा तीस-चालीस हजार रुपये तक कमा रहे हैं।

बहुत से स्त्री-पुरुष दोस्त इसलिए किराए पर ले रहे हैं, ताकि वे उनसे अपनी परेशानियां साझा कर सकें, क्योंकि उनकी बात सुनने वाला और कोई नहीं है। एक महिला ने अपने किराए के दोस्त को बताया कि उसका पति उसे कितना तंग करता है। वह नशे का आदी है, मारता-पीटता है और बच्चे न होने के लिए उसे ताने देता है। बहुत से लड़के-लड़कियां अपनी पसंद से विवाह करते हैं। इस अवसर पर यह दिखाने के लिए कि उनके नाते-रिश्तेदार भी इस विवाह में मौजूद थे, वे लड़के-लड़कियों को किराए पर लेकर पति-पत्नी के रूप में आने के लिए भी कहते हैं। ऐसे दोस्तों को बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में बुला रहे हैं, ताकि कोई तो हो, जो न केवल उनके साथ समय बिताए, बल्कि उनकी बातें भी सुने। उनके साथ फ़िल्म देखे, बातचीत करे, हंसी-मज़ाक करे, उनके जन्मदिन पर उपस्थित हो और 'हैप्पी बर्थडे' गा सके।

दिवाली पर इन मंदिरों में माता लक्ष्मी के करें दर्शन

दीपों का त्योहार दिवाली इस साल 8 नवंबर को मनाया जा रहा है। पूरे भारत में दिवाली का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। माना जाता है कि कार्तिक मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या को समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसलिए इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इस मौके पर लोगों के घरों, दफ्तरों और मंदिरों में माता लक्ष्मी का पूजन होता हैं। दिवाली की रात शुभ मुहुर्त में लक्ष्मी पूजन किया जाता है। इस मौके पर आप महालक्ष्मी के प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन भी कर सकते हैं। दीपोत्सव के दौरीन इन लक्ष्मी मंदिरों में धूमधाम से दिवाली मनाई जाती है। जहां आप दिवाली के मौके पर दर्शन करने और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद पाने के लिए जा सकते हैं।



महालक्ष्मी मंदिर, मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में महालक्ष्मी मंदिर है। यहां हर भक्त की मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में माता लक्ष्मी के साथ माता काली और माता सरस्वती भी विराजमान हैं। दिवाली पर मंदिर को बहुत ही सुंदर सजाया जाता है और भव्य पूजा की जाती है। दिवाली पर माता लक्ष्मी जी के दर्शन के लिए यहां जा सकते हैं। इस दिन दर्शन करने जाना शुभ माना जाता है। लोगों का मानना है कि दिवाली के दिन ऐतिहासिक मंदिरों में माता के दर्शन से धन की प्राप्ति होती है।

पद्मावती मंदिर, आंध्र प्रदेश

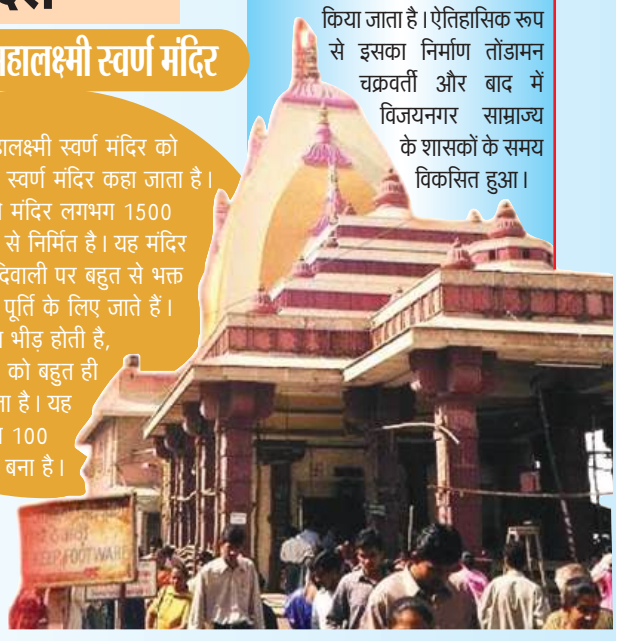
आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में स्थित एक बेहद पवित्र और ऐतिहासिक हिंदू तीर्थ स्थल है। यह मुख्य तिरुपति शहर से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर तिरुचानूर में स्थित है। यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार भगवान वेंकटेश्वर की अर्धांगिनी देवी पद्मावती को समर्पित है, जिन्हें साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता है। तिरुपति बालाजी मंदिर जाने वाले भक्तों को पद्मावती मंदिर जरूर जाना चाहिए। मान्यता है कि तिरुपति बालाजी मंदिर आने वालों की मनोकामना तभी पूरी होती हैं जब वो पद्मावती देवी के दर्शन भी किए जाते हैं। यहां दिवाली बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है। इस मंदिर का प्रबंधन तिरूमाला तिरूपति देवस्थानम द्वारा किया जाता है। ऐतिहासिक रूप से इसका निर्माण तोंडामन चक्रवर्ती और बाद में विजयनगर साम्राज्य के शासकों के समय विकसित हुआ।

श्री महालक्ष्मी मंदिर, मध्य प्रदेश

अपने वैभव के लिए जाना जाने वाला देवी लक्ष्मी मंदिर मध्य प्रदेश के रतलाम में स्थित है। यहां दिवाली बहुत ही धूमधाम से मनाई जाती है। धनतेरस से लेकर दिवाली तक इस मंदिर में माता लक्ष्मी को सोने के आभूषणों से सजाया जाता है। यहां दिवाली में माता केभक्तों की बहुत भीड़ होती है। दिवाली मनाने से पहले या दीपावली वाले दिन आप इस मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं। माता के दर्शन से लाभ होगा।

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर को दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। माता रानी का ये मंदिर लगभग 1500 किलोग्राम शुद्ध सोने से निर्मित है। यह मंदिर तमिलनाडु में है। यहां दिवाली पर बहुत से भक्त अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए जाते हैं। यहां दिवाली पर बहुत भीड़ होती है, दिवाली पर इस मंदिर को बहुत ही सुन्दर सजाय जाता है। यह मंदिर लगभग 100 एकड़ में बना है।



लक्ष्मीनारायण मंदिर, दिल्ली

दिल्ली का लक्ष्मीनारायण मंदिर बिड़ला मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में माता लक्ष्मी अपने पति श्री विष्णु भगवान के साथ विराजमान हैं। यहां भक्तों की बहुत भीड़ देखने को मिल जाती है। मान्यता है कि इस मंदिर में आने वाले सभी भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। दिवाली में यहां लोग अपनी मनोकामना को पूरी करने के लिए जाते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर पप्पू से - तुम रोज सुबह क्लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को क्यों घूरते हो... पप्पू बोला- जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक है...

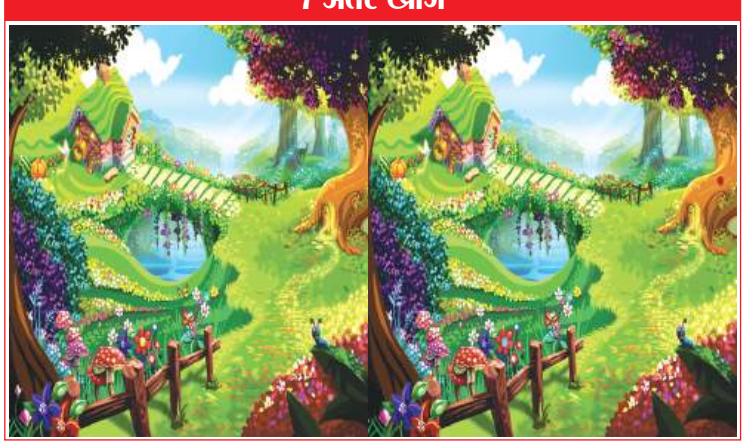
एक बनिये ने शेख को खून देकर उसकी जान बचाई... शेख ने खुश होकर उसे मर्सिडिज कार गिफ्ट की... शेख को फिर खून की जरूरत पड़ी, बनिये ने फिर खून दिया। अबकी बार शेख ने सिर्फ लड्डू दिए... बनिया (गुस्से से) - इस बार सिर्फ लड्डू... शेख - बिरादर, अब हमारे अंदर भी बनिया का खून दौड़ रहा है...

पत्नी की तबीयत कुछ खराब रहती थी, तो उसने पेंटर से अपनी एक तस्वीर बनवाई, फिर कुछ सोच कर पेंटर को कहा कि गले में नौलखा हार भी बना दो... पेंटिंग बनने के बाद पेंटर ने पूछा-आपने ऐसा क्यों किया... पत्नी बोली-कभी मैं मर गयी तो मेरे पति दूसरी शादी कर लेंगे, नई वाली आएगी तो वो हार ढूंढेगी और मिलेगा नहीं तो झगड़ा होगा... तब मेरी आत्मा को सच्चा सुकून मिलेगा... इसे कहते हैं, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी...

कहानी — सत्य का साथ

स्वामी विवेकानंद बचपन से ही बुद्धिमान छात्र थे। उनके तेज दिमाग और प्रभावशाली बातों की वजह से सभी उनकी तरफ खींचे चले जाते थे। एक दिन स्कूल में भी स्वामी विवेकानंद अपने दोस्तों से बातें कर रहे थे। बातों-ही-बातों में स्वामी उन सबको एक कहानी सुनाने लगे। उनके दोस्तों को कहानी अच्छी लग रही थी, इसलिए सभी ध्यान से सुन रहे थे। विवेकानंद कहानी सुनाने में और उनके दोस्त उसे सुनने में इतना खो गए कि किसी को पता ही नहीं चला कि कब मास्टर जी क्लास में आ गए। मास्टर जी ने क्लास में आते ही बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया। आगे बैठे बच्चे उन्हें ध्यान से सुन रहे थे कि कुछ ही देर में मास्टर जी के कानों तक विवेकानंद की हल्की आवाज पहुंची। उन्होंने ऊंची आवाज में पूछा कि कक्षा में कौन बातें कर रहा है? वहां मौजूद अन्य छात्रों ने विवेकानंद और उनके दोस्तों की ओर इशारा कर दिया। यह जानकर टीचर को गुस्सा आया। उन्होंने उन सभी को अपने पास बुलाया और पूछा कि मैं अभी क्या पढ़ा रहा था? कुछ सेकंड तक किसी से कोई जवाब न मिलने पर उन्होंने हर बच्चे की तरफ देखते हुए सवाल पूछा। सबने अपनी नजरें झुका ली। तभी टीचर विवेकानंद के पास पहुंचे और कहा कि क्या तुम्हें पता है, मैं क्या पढ़ा रहा था? उन्होंने मास्टर को सही जवाब दे दिया। तब टीचर को लगा कि इन सब बच्चों में से सिर्फ विवेकानंद ही ध्यान से पढ़ रहे थे, दूसरे बच्चे नहीं। यह सोचते ही मास्टर ने स्वामी के अलावा अन्य छात्रों को अपने-अपने बेंच पर खड़े होने की सजा दे दी। सभी ने टीचर की बात मान ली और बेंच पर खड़े हो गए। कुछ ही देर में स्वामी विवेकानंद भी अपनी सीट में जाकर बेंच पर खड़े हो गए। स्वामी को बेंच पर खड़ा देखकर मास्टर ने कहा कि मैंने तुम्हें सजा नहीं दी है तुम बैठ जाओ। नजर झुकाते हुए विवेकानंद ने कहा, सर, मैंने ही इन सभी छात्रों को बातों में लगा रखा था। गलती मेरी ही है। सजा न मिलने पर भी स्वामी विवेकानंद द्वारा सच बोलने पर सभी छात्र काफी प्रभावित हुए।

7 अंतर खोजें



जानिए कैसा रहेगा कल का दिन



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — कार्यस्थल पर आपकी मेहनत का फल मिलेगा, सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में अचानक लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं। जीवनसाथी का भरपूर सहयोग और प्रेम मिलेगा।

वृषभ — दफ्तर में सहकर्मियों के साथ तालमेल बहुत बढ़िया रहेगा। व्यापारिक सौदों में भारी लाभ मिलने की संभावना है। पारिवारिक जीवन में सुख और सौहार्द का माहौल रहेगा।

मिथुन — विरोधी शांत रहेंगे, आप अपने लक्ष्य आसानी से पाएंगे। व्यापार में नई रणनीति काम करेगी, मुनाफा बढ़ेगा। मित्रों और परिजनों के साथ सुखद बातचीत होगी।

कर्क — कार्यस्थल पर ध्यान भटकने न दें, काम पर ध्यान दें। व्यापार में लेन-देन के समय थोड़ी सतर्कता रखें। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे, मन हल्का होगा।

सिंह — अधिकारियों के साथ संबंध सुधरेंगे, काम आसानी से होगा। व्यापार में बड़ा निवेश भविष्य में लाभ दिलाएगा। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी, विश्वास गहरा होगा।

कन्या — कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बेहतरीन रहेगा, सराहना मिलेगी। व्यापारिक विस्तार की योजनाएं सफल होंगी। परिवार का पूरा समर्थन मिलेगा, घर में खुशहाली रहेगी।

तुला — दफ्तर में आपके सुझावों की तारीफ होगी, पद बढ़ेगा। व्यापार में नए अनुबंधों पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। जीवनसाथी के साथ संबंध और अधिक मधुर होंगे।

वृश्चिक — गुप्त विरोधियों से सावधान रहें, अपना काम निष्ठा से करें। व्यापारिक फैसलों में किसी अनुभवी की सलाह लें। पारिवारिक बातचीत में सौम्यता और धैर्य रखें।

धनु — दफ्तर में आपकी कार्यकुशलता की प्रशंसा होगी। व्यापार में बड़ा मुनाफा होने के स्पष्ट योग हैं। मित्रों और प्रियजनों के साथ खुशनुमा समय बीतेगा।

मकर — वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, तरक्की होगी। व्यापार में नई योजनाओं से मुनाफा बढ़ेगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी।

कुम्भ — भाग्य का साथ मिलेगा, काम में सफलता आसानी से मिलेगी। व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी और लाभ दिलाएंगी। परिवार में धार्मिक या मांगलिक कार्य हो सकते हैं।

मीन — कार्यस्थल पर सावधानी बरतें, सहकर्मियों से विवाद न करें। व्यापारिक मामलों में उधारी देने से बचें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें।

वीएफएक्स के सामने भावनाएं पड़ गईं फीकी !

रणबीर कपूर बतौर भगवान श्रीराम

फिल्म की घोषणा के बाद से ही रणबीर के राम बनने को लेकर काफी चर्चाएं थीं। रणबीर ने अपने किरदार में मासूमियत, शालीनता और भावनाओं को बखूबी उतारा है। उनके चेहरे पर दिखने वाली सहजता और किरदार का शांत स्वभाव प्रभावित करता है। उन्होंने भगवान श्रीराम की गरिमा और आभा को पर्दे पर उतारने की अच्छी कोशिश की है।

रामायण रिव्यू: रेटिंग ★★★★☆



संगीत है फिल्म की सबसे बड़ी ताकत

हंस जिमर और ए.आर. रहमान की जोड़ी फिल्म को एक अलग ही सिनेमैटिक अनुभव देती है। बैकग्राउंड म्यूजिक कई दृश्यों को भव्य और प्रभावशाली बनाता है। कुछ सीन्स में म्यूजिक रोंगटे खड़े करने वाला अनुभव देता है। हालांकि, कुछ जगहों पर बीजीएम जरूरत से ज्यादा तेज और लाउड महसूस होता है। वहीं गाने औसत हैं और फिल्म की कहानी के साथ उनका तालमेल उतना प्रभावी नहीं बन पाता।

कहानी में भव्यता है, लेकिन भावनाओं की कमी

साई पल्लवी बतौर सीता

साई पल्लवी की कास्टिंग को लेकर दर्शकों की राय बंटी हुई हो सकती है। कुछ लोगों को उनकी सादगी पसंद आएगी, तो कुछ को सीता माता के पारंपरिक चित्रण के मुकाबले उनका अंदाज थोड़ा अलग लग सकता है। कुल मिलाकर उनका अभिनय ठीक है, लेकिन किरदार में वह गहराई और प्रभाव नजर नहीं आता जिसकी उम्मीद थी। खास बात यह है कि फिल्म में सीता को एक्शन करते हुए भी दिखाया गया है, जो रामायण के पारंपरिक चित्रण से अलग है।

रवि दुबे बतौर लक्ष्मण

रवि दुबे अपने किरदार में अच्छे लगते हैं, लेकिन उनके किरदार में योद्धा वाले अंदाज के मुकाबले हास्य का पुट ज्यादा नजर आता है। यह बात कुछ दर्शकों को पसंद आ सकती है, तो कुछ को खटक सकती है।

यश बतौर रावण

इस पूरी फिल्म की सबसे बड़ी ताकत यश हैं। उन्होंने अपने दमदार व्यक्तित्व और शानदार अभिनय से रावण के किरदार को एक अलग ही ऊंचाई दी है। उनका अंदाज, स्क्रीन प्रेजेंस और संवाद अदायगी प्रभावित करती है। कई मौकों पर ऐसा लगता है कि इस रामायण में रावण का किरदार राम पर भी भारी पड़ रहा है। यश फिल्म की जान हैं।

अन्य कलाकार : अरुण गोविल ने राजा दशरथ के किरदार में शानदार काम किया है। एक पिता के तौर पर उनकी भावनाएं और अभिनय प्रभावित करते हैं। लारा दत्ता ने भी अपने किरदार के साथ न्याय किया है। इंदिरा कृष्णन कौशल्या के रूप में अच्छी लगती हैं। वहीं विवेक ओबेरॉय, रकुल प्रीत सिंह, सुमन खान और जीजू सहित अन्य कलाकार अपने-अपने किरदारों में प्रभाव छोड़ते हैं।कुणाल कपूर बतौर भगवान इंद्र, फैसल मलिक बतौर कुंभकर्ण, सौरभ सचदेवा, मुकेश तिवारी और शिशिर शर्मा जैसे कलाकार भी अपनी भूमिकाओं में अच्छे लगते हैं।

रावण के सामने राम का किरदार कितना प्रभावी?

आदर्श मिश्रा/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नितेश तिवारी की 'रामायण' भारतीय सिनेमा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने का दम रखती है, लेकिन भव्यता की इस चमक में कहानी और भावनाओं की गहराई कहीं पीछे छूटती नजर आती है। अगर आप इस फिल्म को एक दर्शक के तौर पर देखने जाएंगे, तो निश्चित रूप से गर्व महसूस करेंगे कि भारतीय सिनेमा भी अब विजुअल इफेक्ट्स और सिनेमैटिक स्केल के मामले में हॉलीवुड की बड़ी फिल्मों को टक्कर देने की क्षमता रखता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ भव्य वीएफएक्स और शानदार विजुअल्स के दम पर रामायण जैसी महान गाथा को पर्दे पर उतारा जा सकता है? शायद नहीं!

नितेश तिवारी ने रामायण को बड़े कैनवास पर पेश करने की कोशिश की है और कई मौकों पर इसमें सफल भी होते हैं, लेकिन कहानी, भावनाओं और किरदारों की गहराई के मामले में फिल्म कुछ हद तक निराश करती है। फिल्म की शुरुआत रावण के उदय और उसके साम्राज्य विस्तार से होती है। देवताओं से उसके संघर्ष और भगवान इंद्र के साथ टकराव के बाद कहानी में भगवान श्रीराम की एंट्री होती है।इसके बाद फिल्म राम जी के अयोध्या के राजकुमार से लेकर सीता माता से विवाह और फिर वनवास तक के सफर को दिखाती है। कहानी आगे बढ़ते हुए सीता हरण और रावण के साथ होने वाले महायुद्ध की भूमिका पर आकर समाप्त होती है।

फाइनल वर्डिक्ट: सिर्फ वीएफएक्स से नहीं बनती रामायण!

कुल मिलाकर, नितेश तिवारी की रामायण एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सिनेमा की तकनीकी क्षमता और भव्यता को दुनिया के सामने पेश करने का दम रखती है। फिल्म के वीएफएक्स , विजुअल्स और बैकग्राउंड स्कोर शानदार हैं, लेकिन रामायण सिर्फ एक विजुअल स्पेक्टेकल नहीं है। यह त्याग, मर्यादा, प्रेम, धर्म और भावनाओं की कहानी है। और यहीं फिल्म कुछ हद तक चूक जाती है। कहानी की रफ्तार काफी तेज है, कई महत्वपूर्ण दृश्यों में भावनात्मक गहराई की कमी महसूस होती है और कुछ किरदारों को पर्याप्त स्पेस नहीं मिल पाता। फिल्म देखते हुए कई बार ऐसा लगता है कि मेकर्स ने भव्यता पर जितना ध्यान दिया, उतना कहानी की आत्मा पर नहीं दिया।क्योंकि रामायण है।रामायण जैसी महागाथा को पर्दे पर उतारना आसान नहीं है। इसकी सबसे बड़ी ताकत इसके किरदारों के रिश्ते, त्याग, प्रेम, धर्म और भावनाएं हैं। लेकिन फिल्म कई महत्वपूर्ण घटनाओं को इतनी तेजी से आगे बढ़ाती है कि दर्शक उन पलों से पूरी तरह जुड़ नहीं पाते। कुछ अहम दृश्यों में जिस भावनात्मक गहराई और ठहराव की उम्मीद थी, वह गायब नजर आता है।



पटाखे जलाना एंटी-नेशनल: सोनी राजदान

दिवाली का त्योहार जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, देश के हर छोटे-बड़े शहरों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक स्तर तक पहुंचने लगा है। पंजाब के बठिंडा में AQI 1100 के पार पहुंच चुका है, हरियाणा के हिसार में 800 AQI दर्ज किया गया है। जबकि दिल्ली में बुधवार को AQI का स्तर 432 के पार है। इस बीच कई मशहूर हस्तियों ने लोगों से बिना दिवाली पर पटाखे नहीं चलाने की अपील की है। कुछ दिन पहले, दीया मिर्जा के एक ऐसे ही पोस्ट को लेकर खूब बवाल मचा। राजनीतिक गहमागहमी बढ़ने पर बीएमसी ने पहले तो वीडियो को हटा लिया, लेकिन फिर बॉम्बे हाई कोर्ट की फटकार के बाद वीडियो दोबारा पोस्ट किया गया। अब आलिया भट्ट की मां और एक्ट्रेस सोनी राजदान ने पटाखों को लेकर इंस्टाग्राम पोस्ट किया है।

70 साल की दिग्गज एक्ट्रेस ने लोगों से ग्रीन-दिवाली मनाने की अपील की है। साथ ही दो टूक शब्दों में यहां तक कहा है कि पटाखे जलाना एंटी-नेशनल काम है। राजदान ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें बताया है कि इस साल दिवाली पर पटाखे जलाना कितना खतरनाक हो सकता है। उन्होंने लिखा, छोटे बच्चों के माता-पिता आपको बता सकते हैं कि उनके बच्चे वायु प्रदूषण की वजह से कितनी तकलीफ झेल रहे हैं। बीमारी के कारण उन्हें कितने दिन स्कूल छोड़ना पड़ता है। सोनी राजदान पोस्ट के आखिर में लिखती हैं, इसलिए अगर आप मुझसे कहें कि ऐसे हालात में इस दिवाली पर एक भी पटाखा जलाना ठीक है, तो मैं यही कहूंगी कि यह जीवन के खिलाफ है, सेहत के खिलाफ है, और हां... यह राष्ट्र-विरोधी (एंटी-नेशनल) भी है। सेहत एक ऐसा चुनाव है जो हम अपने और अपने बच्चों के लिए करते हैं। आइए, हम सही चुनाव करें। दीया मिर्जा के हालिया विवाद से सीख लेते हुए सोनी राजदान ने किसी भी तरह की तीखी प्रतिक्रिया से बचना लाजिम समझा है।



सैफ पर हुए हमले को याद कर भावुक हुईं करीना



कॉफी विद करण 9 का नया एपिसोड में बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी करीना कपूर खान और सैफ अली खान नजर आए। कॉफी विद करण के फाइनल सीजन के ताजा एपिसोड में दोनों ने पिछले साल सैफ पर उनके घर में हुए चाकू से हमले को लेकर खुलकर बात की। कपल ने पहली बार उन अफवाहों और साजिश की थ्योरी पर भी रिएक्शन दिया, जिनमें इस हमले को लेकर सवाल उठाए गए थे। करीना ने कहा, मुझे ये साजिश वाली बातें समझ नहीं आतीं। इसका मतलब है कि लोगों को लगता है कि पुलिस भी हमारे साथ मिली हुई थी, क्योंकि उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया था। तो फिर क्या पुलिस भी इस साजिश का हिस्सा थी? सैफ के बेटे ने घर के हेल्पर हरि के साथ उन्हें अस्पताल पहुंचाया था। यह बहुत बुरा है कि लोगों ने इस तरह के सवाल उठाए। करीना ने उस रात का अनुभव साझा करते हुए बताया कि वह नाइट टी-शर्ट में सड़क पर ऑटो रिक्शा रोक रही थीं। उन्होंने कहा, अच्छा हुआ कि किसी ने उस समय मेरा वीडियो नहीं बनाया, मैं सड़क पर चिल्ला रही थी। मैं पागलों की तरह भाग रही थी और सैफ के शरीर से खून बह रहा था। उस समय टिम ने सबसे पहले पूछा था, अब्बा, क्या आप मरने वाले हैं? करीना ने बताया कि सैफ उस समय चल भी नहीं पा रहे थे।

अभिनेता से प्रोड्यूसर बने कार्तिक आर्यन

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाले कार्तिक आर्यन और कबीर खान की जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है। दोनों की अगली फिल्म का नाम और रिलीज डेट सामने आ गई है। बता दें कि फिल्म का नाम लड़ाकू है। मेकर्स ने इसे एक ऐसी फिल्म बताया है, जो दर्शकों को भावुक करने के साथ प्रेरित भी करेगी। खास बात यह है कि इस फिल्म के साथ कार्तिक आर्यन बतौर प्रोड्यूसर भी अपनी नई पारी शुरू कर रहे हैं। बुधवार को बिरला स्टूडियोज ने फिल्म लड़ाकू की रिलीज डेट का ऐलान किया। यह फिल्म 18 जून, 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को बिरला स्टूडियोज और कबीर खान एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस कर रहे हैं। वहीं, डोपामिन स्टूडियोज के जरिए कार्तिक आर्यन भी बतौर निर्माता इस फिल्म से जुड़ रहे हैं। मेकर्स के मुताबिक, लड़ाकू एक सच्ची घटना पर आधारित असाधारण कहानी है, जिसमें महत्वाकांक्षा, हिम्मत और उम्मीद की झलक देखने को मिलेगी। इसे एक फैमिली एंटरटेनर बताया जा रहा है। फिलहाल फिल्म की कहानी, बाकी कलाकारों से जुड़ी जानकारी सामने नहीं आई है। बता दें कि कार्तिक आर्यन और कबीर खान इससे पहले साल 2024 में आई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म चंदू चैंपियन में साथ काम कर चुके हैं। यह फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को क्रिटिक्स की खूब तारीफ मिली थी। कई लोगों ने इसे कार्तिक के करियर की अब तक की बेहतरीन परफॉर्मेंस भी बताया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म को खास सफलता नहीं मिली। करीब 80 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने सिनेमाघरों में लगभग 88 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। बाद में ओटीटी पर रिलीज होने के बाद इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला और यह फैंस की पसंदीदा फिल्मों में शामिल हो गई। चंदू चैंपियन के लिए कार्तिक आर्यन को उनका पहला नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला। 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में उन्हें बेस्ट एक्टर के सम्मान के लिए मलयालम सिनेमा के दिग्गज अभिनेता ममूटी के साथ संयुक्त रूप से चुना गया था।

कबीर संग मिलाया हाथ, फिल्म लड़ाकू की रिलीज डेट का ऐलान



राहुल गांधी की इंसाफ रैली के बाद पंजाब में सियासी संग्राम तेज

आप ने पूछा वादों का हिसाब, भाजपा ने याद दिलाए 1984 के जख्म

» पंजाब में नशा सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल : नेता प्रतिपक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में नेता प्रतिपक्ष सांसद राहुल गांधी की रैली के बाद से राज्य का सियासी परा गरम हो गया है। जहां ने आप ने कांग्रेस को घेरा हे वहीं भाजपा भी घबरा गई हे। उसने उसके समानांतर चंडीगढ़ में जख्म 84 दे सम्मेलन आयोजित किया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने राहुल गांधी से सवाल किया कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए गांधी परिवार ने अब तक माफी क्यों नहीं मांगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान के गृह जिले संगरूर से राहुल गांधी की चुनावी हुंकार के बाद पंजाब की सियासत में हलचल तेज हो गई है। चार नवंबर को फग्गूवाला में हुई कांग्रेस की इंसाफ रैली के जरिये राहुल ने विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकते हुए नशे, गैंगस्टरवाद, बिगड़ती कानून-व्यवस्था, किसानों की समस्याओं और पंजाब सरकार के दिल्ली से संचालित होने का मुद्दा उठाया था।

उन्होंने आप सरकार को नशामुक्त पंजाब के वादे पर घेरा और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर व्यक्तिगत टिप्पणी भी की। राहुल के आरोपों के बाद आप नेताओं ने कांग्रेस के शासनकाल और उसके पुराने रिकॉर्ड पर सवाल उठाए। वहीं, भाजपा ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का मुद्दा उठाकर राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग की। इस तरह कांग्रेस की रैली के बाद आप और भाजपा ने अपने-अपने मुद्दों के साथ कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। रैली में राहुल ने कहा था कि पंजाब में नशा सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल है। उन्होंने सवाल किया कि 2022 में नशा खत्म करने का वादा करके सत्ता में आई आप सरकार राज्य के किस हिस्से से नशा खत्म कर पाई है। कांग्रेसी उत्साहित, अब परीक्षा संगठन की रैली के बाद कांग्रेस नेताओं में खासा उत्साह है। प्रदेश अध्यक्ष परगट सिंह ने स्पष्ट किया कि पार्टी चुनावी मोड में आ चुकी है और सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी अब गांवों और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, जनता के बीच मुद्दों को ले जाने और सरकार को जवाबदेह बनाने की रणनीति पर आगे बढ़ेगी। परगट सिंह ने कहा कि कांग्रेस सत्ता में लौटी तो सभी मौजूदा जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी। उन्होंने पार्टी में गुटबाजी होने से भी इनकार किया और दोहराया कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है।



राहुल गांधी की टिप्पणी व्यक्तिगत हमला : भारद्वाज

उधर, आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने राहुल की टिप्पणी को स्तर से नीचे का व्यक्तिगत हमला बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आरोपों से कुछ हासिल नहीं होगा और राहुल को ऐसी छोटी बातें नहीं करनी चाहिए। पार्टी ने राहुल की पुरानी आलू से सोना बनाने वाली टिप्पणी का भी हवाला दिया।

84 के दंगों पर गांधी परिवार ने अब तक माफी क्यों नहीं मांगी : ढिल्लों

राहुल की रैली के समानांतर भाजपा ने चंडीगढ़ में जख्म 84 दे सम्मेलन आयोजित किया। पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने राहुल गांधी से सवाल किया कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए गांधी परिवार ने अब तक माफी क्यों नहीं मांगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों और राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी कांग्रेस को घेरा। भाजपा ने राहुल के इंसाफ के नारे को 1984 के पीड़ितों के साथ न्याय के सवाल से जोड़ते हुए कांग्रेस को कठघरे में खड़ा किया। पार्टी ने कहा कि इंसाफ की बात करने से पहले कांग्रेस को 1984 के दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने के सवाल का जवाब देना चाहिए।



राहुल बताएं, कितने चुनावी वादे पूरे हुए : चीमा

पंजाब के वित मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बृहस्पतिवार को पंजाब भवन में राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने राहुल से सवाल किया कि वह पहले उन राज्यों का हिसाब दें, जहां कांग्रेस की सरकारें हैं। वहां कांग्रेस ने चुनाव के दौरान किए गए कितने वादे पूरे किए हैं? पंजाब में कांग्रेस की सरकार बनाने के दावों को चीमा ने सपना करार दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस नेताओं को पंजाब की चिंता सता रही है, लेकिन कांग्रेस को पहले अपने शासन वाले राज्यों में जनता से किए वादों का जवाब देना चाहिए। चीमा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर राहुल गांधी की व्यक्तिगत टिप्पणियों की निंदा करते हुए कहा कि राजनीतिक बहस मुद्दों और नीतियों पर होनी चाहिए, व्यक्तिगत हमलों पर नहीं।



सत्ता में रहकर प्रदर्शन अजीब : राज ठाकरे

» बीजेपी के लोकतंत्र बचाओ अभियान पर मनसे ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने शुक्रवार को भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान की आलोचना की। उन्होंने सत्ताधारी पार्टी पर आरोप लगाया कि वह अपने बचाव में विरोध-प्रदर्शन करके लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर कर रही है।एक्स पर एक पोस्ट में, ठाकरे ने भाजपा को एक अनोखी पार्टी बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि जो पार्टी हर स्तर पर सत्ता में है, वह लोकतंत्र बचाने की मांग करते हुए विरोध-प्रदर्शन कैसे आयोजित कर सकती है। उन्होंने कहा कि शायद दुनिया में यह इकलौता ऐसा मामला है, जहां कोई सत्ताधारी पार्टी विपक्ष के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन कर रही है।



ठाकरे ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुए गोकुल सहकारी डेयरी चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कांग्रेस समर्थित पैनल ने 13 सीटें जीतीं और भाजपा समर्थित पैनल ने 12 सीटें जीतीं, तो सरकार द्वारा नामित पांच निदेशकों को क्यों नियुक्त किया गया? उन्होंने नामित निदेशकों को वोट देने का अधिकार देने के फैसले की आलोचना करते हुए कहा, चुने हुए सदस्य एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के जरिए, गुप्त मतदान से जीतकर आए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरा नियंत्रण न मिल पाने के कारण भाजपा ने अपने सिद्धांतों को ही छोड़ दिया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस मामले पर टिप्पणी की थी।

15 विधायकों की नाराजगी ने बढ़ाई एनसी की मुश्किलें

» डैमेज कंट्रोल में जुटे फारूक और सीएम उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में अंदरूनी घमासान के बीच श्रीनगर के गुपकार स्थित पार्टी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला के आवास पर एक बेहद अहम बैठक जारी है। पार्टी के कई असंतुष्ट विधायकों की चिंताओं को सुलझाने के लिए खुद डॉ. फारूक और मुख्यमंत्री उमर बंद कमरे में उनसे सीधे रूबरू हो रहे हैं। इस हाई-प्रोफाइल बैठक में कश्मीर घाटी से लेकर पीर पंजाल और चिनाब घाटी तक के 15 अहम विधायक मौजूद हैं।

इनमें गुरेज़ से नजीर अहमद गुरेजी, अनंतनाग पश्चिम से अब्दुल मजीद लारमी, पाम्पोर से हसनैन मसूदी, ईदगाह से मुबारक गुल, करनाह से जावेद मिर्चल, गुलमर्ग से फारूक शाह, उड़ी से डॉ. सजाद शफी, पुंछ हवेली से एजाज जान, खानसाहिब से सैफुद्दीन भट, बिजबिहाड़ा से डॉ. बशीर वीरी, लोलाब से कैसर जमशेद लोन, गुलाबगढ़ से इंजीनियर खुर्शीद अहमद, रामबन से अर्जुन सिंह राजू, राजपोरा से गुलाम मोहिउद्दीन मीर और बुधल से जावेद इकबाल चौधरी शामिल हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इतनी बड़ी तादाद में प्रमुख विधायकों की नाराजगी को भांपते हुए आलाकमान ने तुरंत डैमेज कंट्रोल शुरू कर दिया है। बैठक में विधायकों की सरकार और संगठन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा हो रही है और माना जा रहा है कि शीर्ष नेतृत्व उन्हें जल्द ही ठोस आश्वासन देकर मामले को शांत कराने की कोशिश करेगा।



श्रीनगर के सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी का इस्तीफा मंजूर

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर संसदीय क्षेत्र से सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार , उनका इस्तीफा तीन नवंबर 2026 से प्रभावी माना गया है। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि मेहदी ने लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया है। मेहदी ने तीन नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की थी। पार्टी नेतृत्व से उनके मतभेद मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे और अनुच्छेद 370 की बहाली की मांग के मुद्दे पर थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि पार्टी अपने चुनावी वादों से पीछे हट गई है।

» सांसद मीसा भारती पहुंचीं, जेपी यादव के भाई ने लगाया बड़ा आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना के मनेर में पुलिस मुठभेड़ के दौरान तीन लोगों की मौत के बाद परिजनों ने जमकर बवाल किया। गाड़ियों के शीशे तोड़ दिए। आक्रोशित परिजन जमकर हंगामा कर रहे हैं। परिजन पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाने लगे। परिजनों ने पुलिस की ओर से बताई गई एनकाउंटर की कहानी पर संदेह जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने साजिश रचकर इस घटना के अंजाम दिया है। अगर कार्रवाई ही करनी थी तो पैर में गोली मार देते लेकिन तीनों को जान से मारने की क्या जरूरत थी? इधर, लोगों के हंगामे को देखते हुए पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की। लेकिन, किसी ने उनकी एक न सुनी।

पटना में एनकाउंटर के बाद परिजनों का बवाल

भारत-न्यूजीलैंड के बीच दूसरा वनडे कल

» न्यूजीलैंड को लगा झटका: पूरी सीरीज से बाहर हुए डेवोन कॉनवे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वेलिंग्टन। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे मुकाबला वेलिंग्टन के स्काई स्टेडियम में शनिवार को खेला जाना है। पहले वनडे में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया था। इस तरह पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से आगे है। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड दौरे पर अब तक शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने वेलिंग्टन के स्काई स्टेडियम में अब तक कुल चार वनडे मुकाबले खेले हैं। इसमें से भारतीय टीम को दो में जीत मिली है।

वहीं, एक मुकाबले में टीम को हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मुकाबला बेनतीजा रहा है। भारत ने इस ग्राउंड पर अपना आखिरी मैच साल 2019 में खेला था, जहां टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 35 रनों से हराया था। बारिश से प्रभावित पहले वनडे मुकाबले में टीम इंडिया का प्रदर्शन दमदार रहा था। अर्शदीप सिंह और विराट कोहली ने बेहतरीन लय में दिखाई दिए थे। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे चोट के कारण बाकी बचे मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। कॉनवे को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगी थी और वह कन्कशन का शिकार हुए हैं। वहीं, तेज गेंदबाज मैट हेनरी को दूसरे वनडे के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। दोनों खिलाड़ी भारत के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में भी नहीं खेल पाए थे। कॉनवे की जगह निक केली को न्यूजीलैंड की वनडे टीम में शामिल किया गया है। उन्हें शुरुआत में केवल सीरीज के चौथे और पांचवें मुकाबले के लिए चुना गया था, लेकिन अब वह दूसरे वनडे से ही टीम के साथ जुड़ जाएंगे। इस बदलाव का असर न्यूजीलैंड ए की टीम पर भी पड़ा है।



पंत का तीसरे अनौपचारिक टेस्ट में भी खेलना मुश्किल

लिंकन। न्यूजीलैंड ए के खिलाफ लिंकन में शनिवार से शुरू होने वाले तीसरे और अंतिम भारत ए मुकाबले में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का खेलना मुश्किल है। वह साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं और फिलहाल बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। पंत के 19 नवंबर से वेलिंगटन में शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए उनकी उपलब्धता पर संदेह के बादल मंडराने लगे हैं। टेस्ट विशेषज्ञों में जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा टेस्ट सीरीज की तैयारी के सिलसिले में इस मुकाबले में खेलते नजर आएंगे। पंत के विकल्प के रूप में टी20 उपकप्तान तिलक वर्मा लिंकन में भारत ए टीम से जुड़ चुके हैं। बुमराह ने न्यूजीलैंड पहुंचने के बाद से दो दिनों तक टीम के साथ अभ्यास किया है, जबकि जडेजा सौराष्ट्र के लिए दो रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन के बाद इस सीरीज में उतरे हैं, जहां उन्होंने कुल सात विकेट लेने के अलावा एक शतक भी जड़ा था। ध्रुव जुरेल इस भारत ए टीम की कप्तानी जारी रखेंगे।

केंद्र सरकार को सुप्रीम फटकार

दिल्ली में प्रदूषण पर पूछा-आपने रोकने के लिए क्या कदम उठाए

» शीर्ष अदालत ने ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर केंद्र सरकार की अर्जी की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अलग-अलग मामलों में केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट से झटके लग हैं। जहसं ओबीसी आरक्षण में क्रीमी लेयर पर केंद्र सरकार की अर्जी सुप्रीम कोर्ट से खारिज कर दी है जिसमें सरकार ने राहत मांगी थी। कोर्ट ने फैसले में कहा था कि क्रीमी लेयर तय करते समय माता-पिता की आमदनी देखना काफी नहीं है। ओबीसी आरक्षण में क्रीमीलेयर पर केंद्र सरकार की अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है, केंद्र ने इस साल 11 मार्च को आया फैसला लागू करने में राहत मांगी थी।

उस फैसले में कोर्ट ने कहा था कि क्रीमी लेयर तय करते समय माता-पिता की आमदनी देखना काफी नहीं है. उनका पद और सामाजिक स्थिति को भी देखा जाना चाहिए। वहीं दिल्ली में वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा रोकने के लिए क्या कदम उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रदूषण के लिए गरीब लोगों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि गरीब लोग प्रदूषण फैलाने वाले नहीं, बल्कि इसके सबसे ज्यादा शिकार होते हैं।

केंद्र सरकार ने अगस्त महीने में अर्जी की थी दाखिल



केंद्र सरकार ने अगस्त महीने में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर फैसले पर स्पष्टीकरण की मांग की थी। फैसले को तुरंत लागू करने से कई प्रशासनिक परेशानियां पैदा हो सकती हैं सिविल सेवा परीक्षा 2025 के कैडर और सेवाओं का आवंटन, प्रशिक्षण और दूसरी प्रशासनिक प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। 2016 के बाद केंद्र सरकार, रेलवे, बैंक, अर्धसैनिक बलों और विश्वविद्यालयों में करीब 3 लाख 70 हजार ओबीसी नियुक्तियां हुई हैं। अगर फैसले को पिछली तारीख से लागू किया गया तो बड़ी संख्या में नए विवाद और मुकदमे हो सकते हैं। राज्यों से बातचीत और बड़ी संख्या में सरकारी संस्थानों को देखते हुए इसमें करीब 2 साल तक का समय लग सकता है। निजी क्षेत्र के पदों को सरकारी पदों के बराबर मानने के लिए भी काफी समय लग सकता है। कोर्ट ने सरकार के 2004 के उस आदेश को गलत माना था, जिसमें वेतन से आय के आधार पर पीएस, बैंक और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के बच्चों को क्रीमी लेयर या नॉन क्रीमी लेयर में नियम लागू किया गया था,इसी आदेश में सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को इस नियम से अलग रखा गया था. उनके लिए व्यवस्था थी कि उनके पद के आधार पर उनके बच्चों की श्रेणी तय की जाएगी. कोर्ट ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में दिए समानता के अधिकार के खिलाफ माना था।

प्रदूषण के लिए गरीब लोग जिम्मेदार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

दिवाली के दौरान सड़कों पर गाड़ियों की संख्या बढ़ जाने की दलील पर कोर्ट ने कहा कि त्योहारों को मनाने के लिए हमें अपनी पुरानी परंपराओं और रीति-रिवाजों की ओर लौटने पर विचार करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रदूषण के लिए गरीब लोगों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि गरीब लोग प्रदूषण फैलाने वाले नहीं, बल्कि इसके सबसे ज्यादा शिकार होते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह दीवाली के बाद मामले पर आगे सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक्यूआई बढ़ने की स्थिति में सभी आयु वर्ग के बच्चों के लिए स्कूलों में होने वाली कक्षाएं बंद करने के अनुरोध वाली याचिका पर वह विशेषज्ञों की राय के आधार पर फैसला करेगा। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि किसानों को जागरूक किया जाना चाहिए और जब वे पराली जलाने के आर्थिक नुकसान को समझेंगे, तो खुद ही ऐसा करना बंद कर देंगे। दिवाली ही वह समय है, जब गरीब लोग अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं, उन्हें बड़ी कारों और वाहनों के कारण परेशानी झेलनी पड़ती है।

वायु प्रदूषण बढ़ने की बड़ी वजह वाहनों से निकलने वाला धुआं

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ने की बड़ी वजह वाहनों से निकलने वाला धुआं है, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में ट्रैफिक जाम का जिक्र करते हुए सरकार से पूछा कि प्रदूषण रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दीवाली के दौरान प्रदूषण को लेकर जितने ज्यादा प्रतिबंध लगाए जाएंगे, उनके उल्लंघन की आशंका भी उतनी ही बढ़ सकती है। इसलिए लोगों में प्रदूषण को लेकर जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना जरूरी है।

सीजेआई पर टिप्पणी से सुप्रीम कोर्ट नाराज

» केरलम कांग्रेस से पूछा- आप पर क्यों ना करें केस?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केरलम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने उनसे जवाब मांगा है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को लेकर की गई एक सोशल मीडिया पोस्ट (जिसे अब हटा दिया गया है) के मामले में, उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों न शुरू की जाए।जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की एक पीठ, वकील विनीत जिंदल की ओर से दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

इस याचिका में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की केरलम इकाई के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर प्रकाशित एक पोस्ट को लेकर स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान, केरलम कांग्रेस समिति के वकील ने बताया कि वह सामग्री पदाधिकारियों की मंजूरी के बिना अपलोड की गई थी, जिसे बाद में हटा दिया गया और बिना शर्त माफी भी मांग ली गई। जस्टिस अरविंद कुमार ने टिप्पणी की कि अदालत यह देखेगी कि यह माफी कलम से आई है या दिल से।

फैजुल्लागंज भाजपा पार्षद रामू दास कनौजिया गिरफ्तार

» किसान यूनियन ने पार्षद और पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फैजुल्लागंज के पार्षद रामू दास कनौजिया को मारपीट मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। उधर ये मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार के बाद अब किसान यूनियन की राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शुक्ला ने भी पार्षद और पुलिस प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने पार्षद पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। पीड़ित का आरोप है कि पार्षद रामू कनौजिया इतने नशे में थे कि वह लगातार मारपीट करते रहे। वह बार-बार पूछता रहा कि आखिर उसे क्यों पीटा जा रहा है, लेकिन पार्षद और उनके साथ मौजूद लोगों ने उसकी एक नहीं सुनी। आरोप है कि पार्षद के साथियों ने भी लाठियों और तार के चाबुक से हमला किया।

पत्नी पति को पिटता देखकर बचाने के लिए आगे आती रही, लेकिन आरोपियों ने उसकी गुहार तक नहीं सुनी। नव भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल शुक्ला ने आरोप लगाया कि बीमार बहन के आय प्रमाण पत्र के सिलसिले में मदद मांगने गए परिवार को लाठी-डंडे मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि चौकी के अंदर भी रामू कनौजिया के साथ मारपीट और धमकी दी गई। चौकी इंचार्ज पर एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देने का आरोप भी लगाया। निर्मल शुक्ला ने कहा कि पुलिस प्रशासन पूरे मामले में गोलमोल जवाब दे रहा है। उन्होंने धोबी घाट की जमीन को लेकर भी पार्षद पर गंभीर आरोप लगाए और उन्हें भूमाफिया तथा अपराधी बताया। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि नहीं है निर्मल शुक्ला ने प्रयागराज में केशव प्रसाद मौर्य के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए ब्राह्मणों के साथ दुर्व्यवहार का आरोप लगाया और सवाल उठाया कि आखिर ब्राह्मणों का कसूर क्या है?

पार्षद ने अपने ऊपर सुतली बम से हमला खुद करवाने का भी आरोप लगाया। इतना ही नहीं, उन्होंने पार्षद को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वह घर में घुसकर जूते से मारेंगी। मड़ियांव पुलिस को भी एससी-एसटी का मुकदमा दर्ज करके दिखाने की चुनौती दी।



धरने की चेतावनी के बाद थाने पहुंचे पार्षद

मामले में नया मोड़ तब आया जब पीड़ित परिवार ने कार्रवाई की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी। इसके बाद पार्षद रामू कनौजिया खुद मड़ियांव थाने पहुंचे और पुलिस के सामने पेश हुए। बताया जा रहा है कि इससे पहले उनके कुछ साथी भी थाने पहुंचे थे। फिलहाल पार्षद की जमानत के कागजात तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब सवाल यह है कि मारपीट के आरोपों में पुलिस क्या कार्रवाई करती है? पीड़ित परिवार को न्याय मिलेगा या मामला आरोप-प्रत्यारोप तक ही सीमित रह जाएगा?

कांग्रेस ने साधा गृह मंत्री पर निशाना

» पवन खेड़ा बोले- 7 साल में 3 करोड़ घुसपैठियों को नहीं संभाल पाए?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर कांग्रेस ने बड़ा हमला किया है। कांग्रेस से राज्यसभा सांसद पवन खेड़ा ने कहा कि गृह मंत्री शाह अपना मंत्रालय संभालने में नाकाम रहे हैं। उन्हें वापस बीजेपी अध्यक्ष बनने पर विचार करना चाहिए। कांग्रेस नेता ने एक्स पोस्ट में कहा कि मोटा भाई, अगर गृह मंत्रालय आपसे नहीं संभल रहा तो आप उस कुर्सी से क्यों चिपके हुए हैं? सात सालों में देश के तीन करोड़ घुसपैठियों को नहीं संभाला जा सका है। मणिपुर 3 सालों से काबू में नहीं है।



अब अरुणाचल प्रदेश भी नहीं संभल रहा है। कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि पुलवामा हुआ, पहलगाम हुआ, लाल किले पर धमाका हुआ। राष्ट्रीय राजधानी के ठीक बगल में 300 किलो आरडीएक्स मिला। यह आपके बस का काम नहीं है। इसे छोड़ दीजिए। उन्होंने ये भी कहा कि अमित शाह को गृह मंत्रालय छोड़कर बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाना चाहिए और अपने मोबाइल सर्कस को हैदराबाद से करनाल और भारत के बाकी राज्यों में ले जाना चाहिए।

वापस बीजेपी अध्यक्ष बन जाएं

पवन खेड़ा ने अपनी पोस्ट में लिखा कि बेचारे नितिन नवीन को वैसे भी कुछ समझ नहीं आ रहा। उनको भी आजाद करिए। वो भी खुश, आप भी खुश। और देश तो खैर, आपसे छुटकारा पाने के इंतजार में है ही। उन्होंने पूछा कि गृह मंत्रालय से चिपके रहकर आप देश की नैया क्यों डुबो रहे हैं? कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि जिसका काम उसी को साजे, और करे तो!

कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में लगी आग

» पटियाला में चलती ट्रेन में मची अफरा-तफरी, सभी यात्री सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजपुरा। अमृतसर की ओर आ रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार जनरल कोचों में शुक्रवार दोपहर अचानक आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन के डिब्बों से धुएं का गुबार और आग की लपटें उठती देख यात्रियों में चीख-पुकार शुरू हो गई। अपनी जान बचाने के लिए यात्री चलती ट्रेन से नीचे उतरने लगे।

घटना राजपुरा के पास हुई। रेलवे कर्मचारियों, पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, अब तक किसी यात्री के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

लालू यादव को सीवान कोर्ट से राहत

» आचार संहिता के उल्लंघन मामले में मिली जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव शुक्रवार (06 नवंबर, 2026) को सीवान कोर्ट में पेश हुए, मामला 2011 का है, अपनी पार्टी के प्रत्याशी के विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए लालू यादव लेट से पहुंचे थे, समय खत्म होने के बाद भी भाषण दिया था, ऐसे में आचार संहिता के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरजेडी प्रत्याशी परमेश्वर सिंह और आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, ये दोनों लोगों आरोपी बनाए गए थे।

उस वक्त प्रत्याशी रहे परमेश्वर सिंह की मौत हो चुकी है, इस केस में लालू यादव को कोर्ट के द्वारा कई बार बुलाया गया था, लेकिन तबीयत खराब के कारण नहीं पहुंच रहे थे। शुक्रवार को पेश हुए तो इस मामले में कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। इस मामले में लालू यादव के वकील ने



मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि लालू यादव को कई बार नोटिस गया था। वह उपस्थित नहीं हो सके थे। इसके बाद उसके बाद गैर जमानती वारंट जारी हुआ। अस्वस्थ होने के कारण वे पेश नहीं हो पा रहे थे, फिर कुर्की-जब्ती का भी आदेश जारी हुआ, लेकिन उनकी तरफ से हम लोगों ने याचिका दायर की थी। उसमें हम लोगों ने सब कुछ बताया था।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा